किशोर अपराधियों के पारिवारिक तथा भौतिक वातावरण का सामाजिक आर्थिक स्तर के सन्दर्भ में अध्ययन

रेखा शर्मा* और डा. राकेश राय**

सारांश

वर्तमान समय में किशोर बाल अपराध दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। प्रस्तुत शोध कार्य के द्वारा यह जानने का अभ्यास किया गया है कि किशोर अपराधियों का पारिवारिक वातावरण तथा भौतिक वातावरण कैसा है। पारिवारिक और भौतिक वातावरण का किशोर अपराधी की अपराधिक प्रवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है। प्रदत्तों के विश्लेशण व व्याख्या के आधार पर यह निश्कर्श निकलता है कि किशोर अपराधियों पर भौतिक तथा पारिवारिक वातावरण दोनों का प्रभाव पड़ता है।

प्रस्तावना

समाज–समाज के लोगों से मिलकर बना है मनुश्य विहीन समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती शिशु जन्म के साथ समाज का अंग बन जाता है। बाल्यावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक प्रत्येक अवस्था महत्वपूर्ण होती है। परन्तु किशोरावस्था जीवन की धुरी होती है। जो बालक के सम्पूर्ण जीवन को प्रभावित करती है।

पारिवारिक वातावरण का प्रभाव किशोर के ऊपर सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों ही प्रकार से पड़ सकता है। यदि परिवार का वातावरण सकारात्मक नहीं है तो व्यक्ति अपने नियमों, कर्तव्यों तथा मर्यादाओं का पालन करने के बजाय उनकी अवहेलना करने लगता है। आधुनिक समय में भौतिक वातावरण की चकाचौंध (मीडिया, मित्र मंडली) का प्रभाव दिन–प्रतिदिन किशोर के मस्तिश्क के ऊपर प्रभावी होता जा रहा है जिससे किशोर अपराध में दिन–प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है। बढ़ते हुए किशोर अपराध के कारण को जानना एक अच्छे सामाजिक वातावरण के लिए जानना अति आवश्यक है जिससे किशोर अपराधियों के भविश्य को विकास के उन्नत स्तर तक पहुंचाने के लिए उन्हें सही राह दिखाना आवश्यक है।

आवश्यकता एवं महत्व – प्रस्तुत शोध कार्य मानवीय जीवन के तीन दृश्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। सामाजिक, शैक्षिक तथा मनोवैज्ञानिक। सामाजिक दृश्टिकोण से यह पता चल सकता है कि किशोर अपराध की समाज में क्या स्थिति है तथा समाज में किशोर अपराध क्यों बढ़ता जा रहा है। बढ़ते अपराध के कारण को जानकर उनमें सुधार करने का प्रयास किया जा सकता है। किशोरावस्था में अपराध करने वाले बालकों में अपराध की प्रवृत्ति के मूल कारणों को पहचानना आवश्यक है। जिससे उन्हें शिक्षा के द्वारा हित व अहित का ज्ञान कराकर सही जीवन मार्ग दिखाया जा सकता है।

समस्या कथन – प्रस्तुत समस्या को शोधकर्ता ने निम्न रूप से शीर्शकबद्ध किया है –

''किशोर अपराधियों के पारिवारिक तथा भौतिक वातावरण का सामाजिक आर्थिक स्तर के संदर्भ अध्ययन''

अध्ययन के उद्देश्य –

1. किशोर अपराधियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन ।
2. किशोर अपराधियों में भौतिक वातावरण का अध्ययन ।
3. किशोर अपराधियों में पारिवारिक वातावरण का सामाजिक आर्थिक स्तर के संदर्भ में अध्ययन।
4. किशोर अपराधियों में भौतिक वातावरण व सामाजिक आर्थिक स्तर के संदर्भ में अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पना –

1. किशोर अपराधी पर पारिवारिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2. किशोर अपराधी पर भौतिक वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. किशोर अपराधी पर सामाजिक आर्थिक स्तर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

*पी.एच.डी. शोधार्थी, मेवाड़ यूनिवर्सिटी, चितौड़ गढ़, राजस्थान
**असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी, मोदीनगर

सीमांकन –

1. प्रस्तुत शोध कार्य में केवल उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के राजकीय सम्प्रेशण गृह (किशोर सुधार गृह) के 20 किशोर अपराधियों को सम्मिलित किया गया।
2. प्रस्तुत शोध कार्य में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के राजकीय सम्प्रेशण गृह (किशोर सुधार गृह) के 20 किशोर अपराधियों को सम्मिलित किया गया।

शोध विधि –

शोध अनुसंधान सर्वेक्षण अनुसंधान विधि से किया गया है।

शोध की जनसंख्या –

1. सहारनपुर जिले का राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर सुधार गृह)।
2. मेरठ जिले का राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर सुधार गृह)।
3. आगरा जिले का राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर सुधार गृह)।

शोध उपकरण –

1. पारिवारिक परिवेश मापनी ।
2. भौतिक वातावरण मापनी ।
3. समाजिक आर्थिक स्तर ।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ –

1. मध्यमान (Mean)
2. प्रमाणिक विचलन (Standard Deviation)
3. क्रान्तिक मान (Z Score)

प्रदत्तों का विश्लेशण एवं व्याख्या

उद्देश्य : 1.

किशोर अपराधियों का पारिवारिक वातावरण किशोर अपराधियों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन।

पारिवारिक अनुशासन	किशोर अपराधियों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन
	60	20.4	6.8

उपरोक्त तालिका का अध्ययन करने पर देखा गया है कि किशोर अपराधियों के पारिवारिक अनुशासन का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन क्रमशः M=20.4, S.D=6.8 पाया गया।

उद्देश्य : 2

किशोर अपराधियों का भौतिक वातावरण किशोर अपराधियों के भौतिक वातावरण का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन

पारिवारिक अनुशासन	किशोर अपराधियों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन
	60	20.4	6.8

उपरोक्त तालिका का अध्ययन करने पर देखाा गया है कि किशोर अपराधियों के भौतिक अनुशासन का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन क्रमशः M=20.4, S.D=6.8 पाया गया।

उद्देश्य : 3

किशोर अपराधियों का पारिवारिक तथा भौतिक वातावरण का अध्ययन

वातावरण	किशोर अपराधियों की संख्या	मध्यमान विचलन	प्रमाणिक मान	क्रान्तिक	परिकल्पना
परिवारिक वातावरण	60	20.4	6.8	5.36	अस्वीकार्य
भौतिक वातावरण	60	14.83	4.4		

उपरोक्त आँकड़ों का अध्ययन करने पर देखाा गया है कि किशोर अपराधियों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन 20.5, 9.25 है तथा भौतिक वातावरण का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन क्रमशः 14.83, 4.4 है।

उद्देश्य : 4

(किशोर अपराधी के सामाजिक स्तर को जानने के लिए उनके पिता की व्यवसाय के आधार पर सामाजिक स्तर को श्रेणी बद्ध किया गया है।) किशोर अपराधियों का सामाजिक आर्थिक स्तर का अध्ययन

समाजिक आर्थिक स्तर	आय (मासिक)	संख्या
उच्च स्तर	रुपये 18,000–रुपये 28,000	22
मध्य स्तर	रुपये 12,000–रुपये 18,000	12
निम्न स्तर	रुपये 2,500–रुपये 5,000	26

उपरोक्त तालिका का अध्ययन करने पर देखाा गया है कि किशोर अपराधियों की सामाजिक आर्थिक स्तर के आधार पर उच्च आर्थिक स्तर वाले अपराधियों की संख्या 22, मध्यम आर्थिक स्तर वाले अपराधियों की संख्या 12, निम्न आर्थिक स्तर वाले अपराधियों की संख्या 26 है।

निष्कर्श निरूपण: प्रदत्तों के विश्लेशण व व्याख्या के आधार पर किशोर अपराधियों पर पारिवारिक वातावरण तथा भौतिक वातावरण दोनों का प्रभाव पाया गया तथा भौतिक वातावरण की अपेक्षा पारिवारिक वातावरण का प्रभाव अधिक पाया गया।

संदर्भ सूची

मंगल श्रीमती शुभ्रा : बाल विकास आर्य डिपो, करोल बाग, दिल्ली

माथुर, डॉ. एस.एस. : शिक्षा मनोविज्ञान आर. लाल बुक डिपो, निकट गर्वन्मेंट इण्टर कॉलेज, मेरठ

मंगल एस.के. : शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हॉल ऑफ इण्डिया

भटनागर सुरेश एवं अनामिका सक्सैना : लॉयल बुक डिपो, मेरठ

सिंह रामपाल (2005) : ''शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी'' विनोद पुस्तक मंदिर (आगरा)